भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)
उत्तर सब जोनल ब्यूरो

प्रेस वक्तव्य

दिनांक : 18 / 04 / 2024

कांकेर जिले के आपाटोला–कलपर जंगल में पुलिस द्वारा अंजाम दिए गए कत्लकांड के विरोध में आवाज उठाओ!
इस नरसंहार के खिलाफ 25 अप्रैल को नारायणपुर, कांकेर, मोहला–मानपुर जिलों में बंद सफल बनाओ!

16 अप्रैल, 2024 को कांकेर जिले के आपाटोला जंगल में बीएसएफ और डीआरजी गुंडों द्वारा अंजाम दिए गए कत्लकांड जिनमें हमने अपने 29 प्यारे साथियों को खोया है, का उत्तर सब जोनल ब्यूरो कड़े से कड़े शब्दों में विरोध करता है. इस कत्लकांड के विरोध में बड़े पैमाने पर आवाज उठाने और इसके विरोध में 25 अप्रैल को नारायणपुर, कांकेर, मोहला–मानपुर बंद को सफल बनाने की जनता से अपील करता है.

दुश्मन वर्गों के खूनी प्यास का शिकार हुए हमारे प्यारे साथियों की सूची हम बड़े दुख के साथ पेश कर रहे हैं.

1. कामरेड शंकर – उत्तर बस्तर डिविजनल कमेटी के सचिवालय सदस्य. (अविभाजित वारंगल जिला, चिट्याल मंडल, चल्लागरिगा गांववासी)
2. कामरेड रीता (रामको दर्रो) – कोत्री एसी सदस्या, आरकेबी डिविजन. (मोहला–मानपुर जिला, मानपुर ब्लॉक, हलोरा पंचायत, हलोरा गांववासी)
3. कामरेड विनोद (सन्नू गावडे) – औंधी मोहला संयुक्त एसी सदस्य, आरकेबी डिविजन. (मोहला–मानपुर जिला, मानपुर ब्लॉक, हलोरा पंचायत, आमकोडो गांववासी)
4. कामरेड सुखलाल (सुकलू पद्दा) – प्रतापपुर एसी सदस्य, उत्तर बस्तर डिविजन. (नारायणपुर जिला, ओरछा ब्लाक, छींदपुर गांव वासी)
5. कामरेड रवी / बचनु माडवी – पीपीसीएम, एसएमसी दस्ते का कमांडर (बीजापुर जिला, भैरमगढ़ ब्लॉक, औकेम गांव वासी)
6. कामरेड रमेश ओयाम – पीपीसी सदस्य, एसएमसी स्टाफ (बीजापुर जिला, भैरमगढ़ ब्लॉक, वेच्चापाल गांववासी)
7. कामरेड बदरू बाडसे– पीपीसी सदस्य, सब जोनल एटी कमांडर (सुकमा जिला, कर्रेगुडेम गांव)
8. कामरेड अनिता उपेंडी– पीपीसी सदस्या, 5वीं कंपनी. (नारायणपुर जिला, ओरछा ब्लॉक, बोंडोस गांववासी)
9. कामरेड रजिता – वरिष्ठ पार्टी सदस्या, मेंढकी एलओएस, उत्तर बस्तर डिविजन. (आदिलाबाद जिला)
10. कामरेड गीता (पुन्नाई पूडो) – वरिष्ठ पार्टी सदस्या, मेंढकी एलओएस, उत्तर बस्तर डिविजन. (कांकेर जिला, कोइलीबेडा ब्लाक, वरकुड गांववासी)
11. कामरेड सुरेखा सिडामी – पार्टी सदस्या, एसएमसी स्टाफ (गढ़चिरोली जिला, मिडंदापल्ली गांववासी)
12. कामरेड कविता सोडी – पार्टी सदस्या, एसएमसी स्टाफ (बीजापुर जिला, उसूर ब्लॉक, नेंडूर गांववासी)
13. कामरेड रोशन (कोसाल माडवी) – पार्टी सदस्य, एसजेडसीएम का गार्ड (दंतेवाडा जिला, कटेकल्याण एरिया)
14. कामरेड कार्तीक (सोनू माडवी) – पार्टी सदस्य, एसएमसी स्टाफ (बीजापुर जिला, भैरमगढ़ ब्लॉक, मर्रुम गांव)
15. कामरेड शर्मिला पोडियाम – पार्टी सदस्य, एसएमसी स्टाफ (नारायणपुर, ओरछा ब्लॉक, नेलनार एरिया, बटवेडा गांववासी)
16. कामरेड संजीला (इडमे मडकाम) – पीएलजीए सदस्या, एसएमसी स्टाफ. (बीजापुर जिला, करका गांववासी)
17. कामरेड भूमे (सुनिता मडकम) – पीएलजीए सदस्या, एसजेडसीएम का गार्ड (बीजापुर जिला, ऊसूर ब्लॉक, अपेल गांववासी)
18. कामरेड लालू (अविनाश) – पीएलजीए सदस्य, एसएमसी स्टाफ. (बीजापुर जिला, लिंगागिरी पंचायत, सुंकनपल्ली (उकुड) गांव)
19. कामरेड सजंती (लकमी नुरोटी) – पीएलजीए सदस्या, मेंढकी एलओएस, उत्तर बस्तर डिविजन – (नारायणपुर जिला, कुमुडगुंडा गांववासी, मां–बापः सुंदरी, पांड्राल)

20. कामरेड बजनाथ पद्दा – पीएलजीए सदस्य, मेंढकी एलओएस, उत्तर बस्तर डिविजन (नारायणपुर जिला, वटेकल गांववासी, मां–बापः मूके–सुखराम)
21. कामरेड जेन्नी नुरोटी – पीएलजीए सदस्य, मेंढकी एलओएस, उत्तर बस्तर डिविजन (कांकेर जिला, कलपर निवासी, मां–बापः पांड्री–रामसाई)
22. कामरेड पिंटू ओयम – पीएलजीए सदस्य, उत्तर सब जोनल एटी सदस्य (बीजापुर जिला, भैरमगड़ ब्लॉक, गोट्टुम गांववासी)
23. कामरेड जीनू (गुड्डू) – पीएलजीए सदस्य, एसएमसी स्टाफ (बीजापुर जिला, बीजापुर ब्लॉक, दुरदा गांववासी)
24. कामरेड जनीला (मोती कोवाची) – पीएलजीए सदस्या, एसएमसी स्टाफ (बीजापुर जिला, पटनाम ब्लॉक, कोरंजेड गांववासी)
25. कामरेड सुनिला मडकाम – पीएलजीए सदस्या, एसजेडसीएम का गार्ड, (नारायणपुर जिला, ओरछा ब्लॉक, रेखावाया, गोट पारा गांववासी)
26. कामरेड सीताल माडवी – पीएलजीए सदस्य, एसजेडसीएम का गार्ड (बीजापुर जिला, भैरमगढ़ ब्लॉक, ताकिलोड, गांव वासी)
27. कामरेड राजू कुरसाम – पीएलजीए सदस्य, एसजेडसीएम का गार्ड (बीजापुर जिला, कुटरू ब्लॉक, परकेल गांव वासी)
28. कामरेड शीलो – पीएलजीए सदस्या, गार्ड, (बीजापुर जिला, भैरमगढ़ ब्लॉक, बाइल पंचायत, ऊतला गांव वासी)
29. कामरेड देवाल – पीएलजीए सदस्य, प्रेसटीम. (बीजापुर जिला, तुमनार पंचायत, कुवेम गांववासी. मां–बापः ऊरे–सोनाल).

सदियों से दुनिया में जारी शोषण व उत्पीड़न से जनता की मुक्ति करने के लिए दंडकारण्य की धरती पर अपना गर्म लहू बहाने वाले इन सभी कामरेडों को उत्तर सब जोनल ब्यूरो सिर झुका कर विनम्र श्रद्धांजली अर्पित करता है. इन शहीदों के मां–बाप, परिजनों और बंधु–मित्रों के प्रति गहरी शोक संवेदना व्यक्त करता है. इन शहीदों के आदर्शों को ऊंचा उठाने, उनके आशयों व अधूरे सपनों को पूरा करने के लिए दृढ़तापूर्वक क्रांति में आगे बढ़ने उनके हमसफर क्रांतिकारियों व जनता से अपील करता है. साथ ही इस मौके पर हमारा सब जोनल ब्यूरो शपथ लेता है कि हमारे प्यारे शहीदों की कुरबानियों को हम बेकार नहीं होने देंगे. उनके अधूरे सपनों को साकार करने के लिए दृढ़संकल्प के साथ आगे बढ़ेंगे.

इस नरसंहार की घटना इस तरह घटी थी. हमारी पीएलजीए की एक टीम जिसमें अलग–अलग विभागों में कार्यरत कामरेड शामिल थे और उनमें से कुछ लोग निहत्थे थे जब आपाटोला व कलपर के बीच के जंगल में पनाह ली थी, इसका पक्का समाचार अपने मुखबिरों से पाने वाले दुश्मन बलों ने डेरे को चारों तरफ से घेर कर अंधाधुंध हमला शुरू किया. इस हमले का बहादुराना ढंग से प्रतिरोध करते हुए कुछ कामरेड शहीद हुए हैं और कुछ कामरेड उस हमले से सुरक्षित रूप से बाहर निकलने में सफल हुए. लेकिन बाद में हत्यारे पुलिस बलों ने करीबन 8 घायल कामरेडों को निर्मम तरीके से यातनाएं देकर उनकी पाशविक हत्या की. उतना ही नहीं घटनास्थल में मिले निहत्थे 11 कामरेडों को लगभग दो किलोमीटर दूर में मौजूद शहीद स्मारकों के पास ले जाकर वहां उन्हें बेहद अमानवीय तरीके से डंडों से पीट–पीट कर बाद में गोलियों से भून कर उनकी हत्या की. इस वक्त पुलिस बलों के बीच में यह चर्चा भी हुई कि पकड़े गए लोगों को साथ में ले जाया जाए या वहीं पर मार दिया जाए. कुछ वक्त बाद आदिवासी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा व पुलिस के आला अधिकारियों कांकेर एसपी एके एलसेला और सुदरराज के आदेशों से उनकी बर्बर हत्या की गई. मुठभेड़ में शहीद हुए कामरेडों की लाशें ले जाने के लिए गाड़ियां आने के बाद हत्यारे पुलिस बलों ने इन निहत्थे कामरेडों पर गोलियां दाग कर उनकी जानें लीं. इसीलिए जब गड़ियों में लाशें ले जायी जा रही थी, सड़क पर बड़े पैमाने पर खून बह रहा था. 1 बजकर 38 मिनट पर शुरू हुई फायरिंग 3 बजे के पहले समाप्त हो गया था. उसके बाद शाम 6 बजे तक रुक–रुककर जो फायरिंग की गयी थी, वह हमारे घायल व निहत्थे कॉमरेडों का कत्ल करने के लिए ही थी. इसलिए इस नरसंहार के बारे में मीडिया में पहले 12 लाश मिलने का समाचार आया. आधे घंटे की अवधि में 18 लाश मिलने का समाचार आया. और एक घंटा भी नहीं बीत गया 29 लाश मिलने का समाचार प्रसारित किया गया. दरअसल इस हमलें में गोलियां लगने की वजह से सिर्फ 12 कामरेडों की मौत हुई. बाकी सभी 17 कामरेडों को पुलिस ने घायल अवस्था में या जिंदा पकड़ कर निर्मम हत्या की.

यहां के क्रांतिकारी आंदोलन को खतम करके दंडकारण्य की अकूत प्राकृतिक संपत्ति कौड़ियों के भाव देशी–विदेशी कॉर्पोरेट कंपनियों को सौंपने के मकसद से दंडकारण्य में क्रांतिकारियों व आदिवासियों का नरसंहार किया जा रहा है. केंद्र में सत्तारूढ़ ब्राह्मणीय हिंदुत्व फासीवादी सरकार द्वारा जारी प्रतिक्रांतिकारी दमनकारी सूरजकुंड रणनीतिक योजना के तहत वर्तमान में जारी ऑपरेशन कगार का हिस्सा है यह नरसंहार. यह केंद्र और छत्तीसगढ़ में सत्तारूढ़ भाजपा की डबल इंजनवाली बुलडोजर सरकार द्वारा किया गया घृणित नरसंहार है. छत्तीसगढ़ में आदिवासी मुख्यमंत्री को कुर्सी पर बिठा कर आदिवासियों का कत्लकांड किया जा रहा है. आदिवासियों पर जारी हत्याकांड को जायज ठहराने के लिए ही प्रदेश में षड़यंत्रपूर्ण तरीके से को आदिवासी मुख्यमंत्री (भगवाधारी, आरएसएस मानसपुत्र

विष्णुदेव साय)को बिठाया गया. न सिर्फ़ बस्तर बल्कि छत्तीसगढ के सभी भाजपा नेता इस नरसंहार के जिम्मेदार हैं. जनता की अदालत में उन्हें जरूर सजा मिलेगी.

सरकारें अपनी कॉरपोरेट अनुकूल एलपीजी नीतियों के जरिए गरीबी और बेरोजगारी को जानबूझकर बढ़ाते हुए सिर्फ और सिर्फ मरने/मारने के सरकारी सशस्त्र बलों में आदिवासी युवाओं को भर्ती होने मजबूर कर रही हैं और इज्जत से जीने की तमाम नौकरियों से उन्हें वंचित कर रही हैं. साथ ही पैसों की लालच व डरा–धमकाकर, दबाव–धौंस के जरिए आदिवासियों को मुखबिर बना रही है. हम आदिवासी सामाजिक संगठनों, युवाओं से अपील करते हैं कि इस सरकारी साजिश को समझे और उसका भंडाफोड़ करे.

इस दमन के विरोध में सभी जनवादी, प्रगतिशील, धर्मनिरपेक्षक व क्रांतिकारी सामाजिक संगठनों, तबकों व व्यक्तियों को आवाज उठानी चाहिए और इस घटना की न्यायिक जांच के लिए संघर्ष करना चाहिए. इन संगठनों व जनपक्षधर मीडिया कर्मियों से हमारी अपील है कि वो घटना स्थल का दौरा करें और तथ्यों को दुनिया के सामने पेश करें. उनसे हमारी यह भी अपील है कि हमारे 29 शहीदों की लाशें ले जाने के लिए हमारे शहीदों के परिजनों की मदद करें और उनका सम्मानजनक अंतिमसंस्कार होने में सहयोग करें.

सड़क व परिवहन संस्थाओं, सभी व्यापार संस्थानों व शैक्षणिक संस्थाओं से हमारी अपील है कि इस नरसंहार के विरोध में 25 अप्रैल को नारायणपुर, कांकेर, मोहला–मानपुर जिलों में बंद को सफल बनाने में वो सहयोग करें.

(नोटः आपातकालीन सेवाओं – अस्पताल, एंबुलेंस, परीक्षार्थियों के वाहनों को इस बंद से छूट मिलेगी.)

प्रवक्ता
मंगली
उत्तर सब जोनल ब्यूरो
भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)